आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

# हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 92 | उज्जैन, शनिवार 22 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

## हमारी निवेश नीति देश में सबसे अच्छी, जितने चाहे उद्योग लगाएं, सरकार आपके साथ है-मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश असीम संभावनाओं का प्रदेश है। मध्यप्रदेश की देश में केन्द्रीय स्थिति इसे और भी अधिक विशेष बनाती है। म.प्र. के औद्योगिक विकास के लिए हमारी सरकार ने जो नई निवेश नीति बनाई है, वह देश में सबसे बेहतर है, सबसे अच्छी है। आप जितने चाहे उतने उद्योग लगाइए, सरकार हर पल, हर कदम पर आपके साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास परिसर से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सहित अन्य उद्योगपतियों से चर्चा के दौरान यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने वाले निवेशक सदैव लाभ में रहे हैं। आप

जैसे चाहें वैसे उद्योग लगाएं और मुनाफा कमाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 1100 से अधिक औद्योगिक इकाईयों को 450 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय प्रोत्साहन राशि पारदर्शी तरीके से डीबीटी से हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश और भोपाल के निवेशक बेहिचक न केवल निवेश करें, बल्कि 24-25 फरवरी को भोपाल में हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की मेजबानी भी करें। उन्होंने कहा कि जीआईएस भोपाल में हो रहा एक वैश्विक समागम है और यह एक अत्यंत ऐतिहासिक अवसर होने जा रहा है। देश-विदेश से यहां आने वाले निवेशक हमारे मेहमान हैं। उनके स्वागत में कोई कमी न रहें, जो भी भोपाल आए, वह एक अच्छी स्मृति लेकर ही जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर में मध्यप्रदेश का देश में 7वां स्थान है। यह प्रदेश का सबसे उभरता हुआ सेक्टर है। इसलिए हमने निर्णय लिया है कि प्रदेश में हर प्रकार के उत्पादों से जुड़े नए उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहन किया जाएगा। साथ ही वर्तमान में चल रहे पुराने उद्योगों को भी जरूरी मदद मुहैया कराएंगे। पुराने उद्योगों को यदि आवश्यकता होगी, तो मांगे जाने पर उन्हें नवकरणीय ऊर्जा के जरिए विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था भी की जाएगी।

## गलत बयान पर एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड जिम्मेदार, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- याचिकाएं दायर करते समय सतर्क और सावधान रहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वकीलों का यह कर्तव्य है कि वे याचिकाएं दायर करते समय सतर्क और सावधान रहें और अगर वे याचिकाओं में केवल अपना नाम देंगे तो इससे कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

पीठ ने कही ये बात- जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस अगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ ने कहा कि ऐसे वकील पेशेवर आचरण के उच्च मानक बनाए रखने के लिए बाध्य हैं एवं अगर वे किसी और द्वारा तैयार याचिकाओं, अपीलों या जवाबी हलफनामों पर सिर्फ अपना नाम देते हैं तो एडवोकेट आन रिकार्ड्स (एओआर) की स्थापना का उद्देश्य विफल हो जाएगा।

पीठ ने यह टिप्पणी एओआर के लिए आचार संहिता और वरिष्ठ अधिवक्ता पदनाम की प्रक्रिया के मामले में दी। कोर्ट के समक्ष मामले में अदालत ने पाया कि एक वरिष्ठ अधिवक्ता एओआर ने अनेक क्षमा याचिकाओं में तथ्यों को दबाया है।

एओआर वह वकील होता है जो सुप्रीम कोर्ट में मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिकृत होता है। पीठ ने कहा कि सिर्फ एओआर के जरिये ही याचिकाकर्ता इस अदालत से न्याय की मांग कर सकता है जब तक कि वह व्यक्तिगत रूप से पेश न होना चाहता हो। इसलिए उसकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

## प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के दूसरे चरण के लिए आवेदन शुरू, रोजगार क्षमता में होगा विकास

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआइएस) के दूसरे चरण के लिए आवेदन शुरू हो गया है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि दूसरे चरण में भारत के 730 से अधिक जिलों में शीर्ष कंपनि यों में एक लाख से अधिक इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

पहले चरण में छह लाख से अधिक आवेदन आए

पहले चरण में छह लाख से अधिक आवेदन आए थे। तेल, गैस और ऊर्जा, बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं, यात्रा और स्वास्थ्य, ऑटोमोटिव, धातु, खनन विनिर्माण और औद्योगिक, फास्ट-मूविंग उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी) और कई अन्य क्षेत्रों की 300 से अधिक शीर्ष कंपनियों ने भारतीय युवाओं को अनुभव प्राप्त करने, पेशेवरों के साथ नेटवर्क बनाने और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए हैं।

पात्र युवा अपने पसंदीदा जिले, राज्य, सेक्टर, क्षेत्र के आधार पर इंटर्नशिप के लिए चयन कर सकते हैं। मंत्रालय ने कहा कि दूसरे चरण में प्रत्येक आवेदक आवेदन की अंतिम तिथि तक अधिकतम तीन इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकता है।

## चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मिले एस जयशंकर, मानसरोवर यात्रा पर हुई बात; क्या है मुलाकात के मायने?

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समय दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की राजधानी जोहान्सबर्ग में चल रही जी-20 बैठक के दौरान अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच सीधी उड़ानों तथा कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर एक सार्थक चर्चा की गई।

इस मुलाकात के बारे में खुद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा कि जोहान्सबर्ग में जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक से आज सुबह सीपीसी पोलित ब्यूरो के सदस्य और चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मिलने का अवसर मिला।

विदेश मंत्रालय का बयान आया सामने- नई दिल्ली में साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने नवंबर में अपनी पिछली बैठक के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में हुए विकास की समीक्षा की। उन्होंने कि दोनों मंत्रियों ने इस दौरान विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द के प्रबंधन पर भी बात की। विदेश मंत्रालय ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि बैठक के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द के प्रबंधन, कैलाश मानसरोवर यात्रा, सीधी उड़ान कनेक्टिविटी की बहाली और यात्रा सुविधा पर चर्चा की गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

जानकारी दें कि विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इसी साल 26-27 जनवरी को भारत और चीन के बीच विदेश सचिव-उप विदेश मंत्री तंत्र की बैठक के लिए बीजिंग का दौरा किया था।

## स्वदेशी सैन्य क्षमता को मिलेगा नया आयाम! रफ टेरेन फोर्क लिफ्ट ट्रक खरीदने पर रक्षा मंत्रालय की मुहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र बलों के लिए स्वदेशी ट्रकों को खरीदने के लिए एसीई लिमिटेड और जेसीबी इंडिया लिमिटेड के साथ करार किया है। इसके तहत थलसेना, वायुसेना और नौसेना के लिए 697.35 करोड़ रुपये की कुल लागत पर 1,868 रफ टेरेन फोर्क लिफ्ट ट्रक (आरटीएफएलटी) को खरीदा जाएगा। इससे सैन्य क्षमता में वृद्धि होगी और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

आरटीएफएलटी महत्वपूर्ण उपकरण है जो युद्ध और रसद सहायता कार्यों में सहायता करेगा और सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमता बढ़ाएगा। एमएसएमई क्षेत्र को प्रोत्साहित करके इस परियोजना में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह खरीद भारत के रक्षा बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और स्वदेशी उद्योगों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो आत्मनिर्भर भारत का गौरवशाली ध्वजवाहक होगा।

बीईएल के साथ 1220.12 करोड़ रुपये का करार- समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय तटरक्षक बल के लिए 1220.12 करोड़ रुपये की कुल लागत से 149 साफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो की खरीद के लिए गुरुवार को भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

मंत्रालय के अनुसार अत्याधुनिक रेडियो से हाई स्पीड डाटा के माध्यम से सुरक्षित और विश्वसनीय सूचना साझाकरण, सहयोग में मदद मिलेगी।

## रेलवे की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वालों की अब खैर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और तोड़फोड़ करने वाले उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। 10 फरवरी 2025 को बिहार के मधुबनी रेलवे स्टेशन पर स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस ट्रेन के एसी कोच में तोड़फोड़ के मामले में आरपीएफ ने एक किशोर को गिरफ्तार किया है। आरोपित के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 153 सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। इसके तहत पांच साल तक की जेल का प्रविधान है।

## विकसित भारत के लिए दिन-रात काम कर रहा हर भारतीय, SOUL कॉन्क्लेव में बोले पीएम मोदी

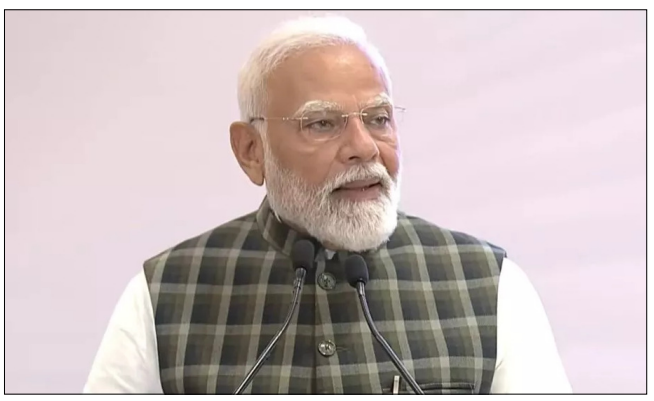

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज स्कूल लीडरशिप कॉन्क्लेव को संबोधित किया। कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए नागरिकों का विकास बहुत जरूरी है।

हर क्षेत्र के लीडर्स का विकास जरूरी- पीएम ने आगे कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में वहां के नेताओं का विकास बहुत जरूरी है। पीएम ने ये भी कहा कि फ्यूचर लीडर्स को बनाने के लिए भी उनके साथ काम करना और सही दिशा देना जरूरी है। मोदी ने कहा कि स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप की स्थापना विकसित भारत की यात्रा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है बहुत जल्द स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप का विशाल परिसर बनकर तैयार हो जाएगा।

पीएम ने कहा, आज हर भारतीय 21वीं सदी के विकसित भारत के लिए दिन-रात काम कर रहा है। ऐसे में 140 करोड़ के देश में भी हर सेक्टर में, हर वर्टिकल में, जीवन के हर पहलू में हमें उत्तम से उत्तम लीडरशिप की जरूरत है।

मजबूत लीडरशिप पर भारत का भविष्य निर्भर- पीएम ने कहा कि आने वाले समय में जब हम कूटनीति से टेक इनोवेशन तक एक नई लीडरशिप को आगे बढ़ाएंगे तो सारे सेक्टर्स में भारत का दबदबा कई गुना बढ़ेगा। मोदी ने कहा कि इसका मतलब है कि भारत का पूरा विजन और भविष्य एक मजबूत लीडरशिप पैदा करने पर निर्भर होगा, इसलिए हमें Global thinking और local upbringing के साथ आगे बढ़ना है।

गुजरात लीडरशिप का बेहतरीन उदाहरण- पीएम ने गुजरात और महाराष्ट्र के अलग होने की बात सुनाते हुए गुजरात को लीडरशिप का बेहतरीन उदाहरण बताया। पीएम ने कहा कि गुजरात जब अलग हुआ उसके पास कुछ नहीं था, लेकिन लीडरशिप ने सब काम कर दिया।

पीएम ने कहा कि जब गुजरात अलग हो रहा था, तब हम छोटे थे और सोच रहे थे कि गुजरात के पास ना कोयला, न पानी। केवल नमक के अलावा कुछ नहीं है, ऐसे में महाराष्ट्र से अलग होकर कैसे आगे बढ़ेगा। मोदी ने कहा इसके बावजूद अच्छी लीडरशिप ने गुजरात को बेहतर राज्य बना दिया।

# जेलेंस्की को राष्ट्रपति पद से क्यों हटाना चाहते हैं डोनाल्ड ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक के बाद एक चौंकाने वाले फैसले और बयानों का सिलसिला जारी है। ट्रंप ने अब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से वार्ता शुरू कर दी है, जिससे यूक्रेन के लोगों में नाराजगी है। दरअसल, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की अमेरिका के हिसाब से नहीं चल रहे हैं, इसलिए ट्रंप जेलेंस्की को हटाकर उनकी जगह किसी और को राष्ट्रपति बनाना चाहते हैं।

ट्रंप जेलेंस्की को क्यों हटाना चाहते हैं- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते है कि यूक्रेन जंग खत्म करने के लिए रूस के साथ समझौता कर ले, लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की स्पष्ट कर दिया है कि सुरक्षा की गारंटी के बिना रूस के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं करेंगे।

इसलिए ट्रंप चाहते हैं कि जेलेंस्की को हटाकर यूक्रेन में किसी नए नेता को राष्ट्रपति बनाया जाए, जो ज्यादा बिना किसी शर्त उनकी बात मान ले और युद्ध विराम कर ले। कहा जा रहा है कि ट्रंप की टीम ने जेलेंस्की को सत्ता से हटाने के मिशन पर काम भी शुरू कर दिया है।

ट्रंप और जेलेंस्की के बीच क्यों छिड़ी जुबानी जंग- दरअसल, जब ट्रंप को लगने लगा कि जेलेंस्की उनकी बात नहीं मान रहे हैं तो उन्होंने जेलेंस्की को एक मामूली कॉमेडियन और बिना चुनाव वाला एक तानाशाह कहकर नया विवाद खड़ा कर दिया। दूसरी ओर रूस के प्रति नरमी बरतनी शुरू कर दी। साथ ही पुतिन के साथ ट्रंप की बातचीत ने यूक्रेन को हैरानी में डाल दिया।

इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए जेलेंस्की ने सऊदी अरब की बैठक में जाने से साफ मना कर दिया। बता दें कि इस बैठक में यूक्रेन को आमंत्रित नहीं किया गया था।

अमेरिकी मदद न मिलने से यूक्रेन पर क्या असर होगा- पिछले तीन साल से लगातार रूस के साथ जंग लड़ते-लड़ते यूक्रेन की माली हालत डगमगा गई है। यूक्रेन की सेना जवानों की कमी और कई तरह की राजनीतिक समस्याओं से जूझ रही है।

रूस के खिलाफ जंग में अमेरिकी हथियार, आर्थिक मदद और स्टारलिंक जैसी संचार सुविधाएं अहम भूमिका निभा रही हैं। अमेरिकी मदद न मिलने से यूक्रेन की स्थिति बेहद कमजोर हो जाएगी। आखिर में मजबूर होकर यूक्रेन को समझौता करना पड़ेगा।

जेलेंस्की किन चुनौतियों से जूझ रहे हैं

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की रूस से बातचीत कर युद्धविराम करना चाहते हैं, लेकिन वे अपने देश की सुरक्षा से किसी तरह का समझौता नहीं करेंगे। इस बीच उनको सरकार में बने रहने के लिए समर्थन बनाए रखने और जनता व सैनिकों का मनोबल बनाए रखने की भी चुनौती है।

# एलन मस्क ने मंच से क्यों लहराई लकड़ी काटने वाली मशीन, क्या मैसेज देना चाहते हैं सबसे बड़े अरबपति?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी सरकार के खर्च में कटौती करने में जुटे दिग्गज अरबपति एलन मस्क का एक अलग रूप देखने को मिला। गुरुवार को एलन मस्क ने वाशिंगटन के बाहर एक कंजर्वेटिव सम्मेलन में चेनसॉ को लहराया। यह चेनसॉ अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली ने एलन मस्क को गिफ्ट में दिया था। बता दें कि चेनसॉ का आमतौर पर इस्तेमाल लड़की की कटाई में किया जाता है।

नौकरशाही को संदेश- मैरीलैंड के नेशनल हार्बर में कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस में एलन मस्क ने चेनसॉ को उठाया। उन्होंने कहा कि यह नौकरशाही के लिए है। चेनसॉ पर अर्जेंटीना के राष्ट्रपति माइली का नारा मोटे स्पैनिश भाषा में उकेरा है। यह नारा है विवा ला लिबर्टाड, कैराजो। इसका अर्थ लंबे समय तक स्वतंत्रता, लानत है!... होता है।

हजारों कर्मचारियों पर छंटनी की तलवार- डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क को सरकारी दक्षता विभाग का मुखिया बनाया है। एलन मस्क यूएसएड समेत विभिन्न एजेंसियों और विभागों को निशाना बना रहे हैं। मस्क के नेतृत्व में बैंक नियामकों, वन कर्मचारियों, रॉकेट वैज्ञानिकों और हजारों अन्य सरकारी कर्मचारियों पर छंटनी की तलवार लटकी है।

छह हजार कर्मचारी निकालेंगे जाएंगे- गुरुवार को अमेरिका के आंतरिक राजस्व सेवा के 6,000 कर्मचारियों को जानकारी दी गई कि उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाएगा। एलन मस्क ने माइली के तर्ज पर सम्मेलन को संबोधित किया। बता दें कि 2023 में अर्जेंटीना के राष्ट्रपति बनने से पहले माइली हमेशा सरकार में कटौती की बात करते थे। वह इसके प्रतीक के तौर पर अपनी चुनावी रैलियों में चेनसॉ लहराते थे।

## अमेरिका के एक्शन से ढीला पड़ा कनाडा, 7 आपराधिक संगठनों को आतंकवादी सूची में डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री डेविड मैकगिंटी ने गुरुवार को कहा कि उनके देश ने सात अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठनों को आतंकवादी संस्था की सूची में डाल दिया है। यह घोषणा अमेरिका द्वारा ट्रेन डी अरागुआ, सिनालोआ कार्टेल और ड्रग्स की तस्करी से जुड़े अन्य संगठनों को वैश्विक आतंकवादी संगठनों के रूप में नामित करने के एक दिन बाद की गई है।

नशा, मानव और बंदूक तस्करी में लिप्त- डेविड मैकगिंटी ने ओटावा में संवाददाताओं को बताया कि ये सूचीबद्ध संस्थाएं संगठित आपराधिक समूह हैं। ये संगठन अत्यधिक हिंसक तरीकों का उपयोग करके स्थानीय आबादी में भय फैलाते हैं। ये मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी और अवैध बंदूकों की तस्करी के लिए जाने जाते हैं।

मंत्री ने कहा कि हम जो उपाय कर रहे हैं, वे फेंटानाइल (दर्दनाशक दवा) को सड़कों से दूर रखेंगे और उसे अमेरिका जाने से रोकेंगे।

ट्रूडो ने की थी घोषणा- प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने तीन फरवरी को कहा था कि कनाडा आपराधिक संगठनों को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध करेगा, क्योंकि उन्होंने अमेरिकी टैरिफ से 30 दिन की छूट की घोषणा की थी।

## अमेरिका में बड़ा हादसा, बर्फ से जमी झील में क्रैश हुआ हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में विमान के बाद अब हेलीकॉप्टर दुर्घटना हुई है। अमेरिका के इडाहो में एक जमे हुए जलाशय पर हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई है और एक अन्य घायल है।

बोनविले काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि पहले बचाव दल स्नोमोबाइल के सहारे घटनास्थल पर पहुंचा। यहां हेलीकॉप्टर के अंदर दो लोगों को पाया। इनमें से एक व्यक्ति की मौत हो चुकी थी जबकि दूसरा घायल था। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उम्मीद है कि वह बच जाएगा।

शेरिफ कार्यालय ने बताया कि इलाके को सुरक्षित कर लिया गया है। फेडरल एविएशन एसोसिएशन और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड को सूचित कर दिया है। शेरिफ कार्यालय के अनुसार इलाके में एक बिजली की लाइन गिरी पाई गई है। हादसे की जांच की जा रही है।

# किसी को नहीं छोड़ेंगे, बसों में सीरियल धमाकों के बाद भड़के इजरायल ने दिया सेना को आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन बसों में सीरियल धमाकों से पूरे इजरायल में हड़कंप मच गया। इस बीच इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने सेना को वेस्ट बैंक में शरणार्थी शिविरों में छापे मारने का आदेश दिया है। इजरायल को शक है कि यहां आतंकी छिपे हो सकते हैं।

रक्षा मंत्री काट्ज ने कहा कि फलस्तीनी आतंकवादी संगठनों ने इजरायल में नागरिक आबादी के खिलाफ गुश दान क्षेत्र में हमलों की कोशिश की। मैंने आईडीएफ को तुलकरम, यहूदिया और सामरिया के सभी शरणार्थी शिविरों में अभियान तेज करने का निर्देश दिया है।

उधर, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को तेल अवीव के करीब बसों में बम धमाकों के बाद वेस्ट बैंक में गहन तलाशी अभियान चलाने का निर्देश दिया। बसों में धमाकों को पीएम कार्यालय ने एक संदिग्ध आतंकवादी हमला कहा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक धमाकों में किसी के घायल होने की अभी तक खबर नहीं है।

कस्साम ब्रिगेड ने जारी किया बयान- अभी तक किसी भी संगठन ने धमाकों की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि कस्साम ब्रिगेड ने हमले की तारीफ करते एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया कि शहीदों का बदला तब तक नहीं भुलाया जाएगा, जब तक कि कब्जा करने वाला हमारी जमीन पर मौजूद है।

इजरायल के रक्षा मंत्री काट्ज ने कहा कि धमाकों के जिम्मेदार लोगों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने अपने बयान में कहा कि हम आतंकवादियों का लगातार पीछा करेंगे और आतंकी ढांचे को तबाह करेंगे।

# अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का दावा; ब्रिक्स संगठन टूट गया है, मुझे नहीं पता उनके साथ क्या हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि हमारी टैरिफ की धमकी के बाद ब्रिक्स संगठन टूट गया है। ट्रंप ने कहा कि ब्रिक्स देश हमारे डॉलर को बर्बाद करने की कोशिश में जुटे थे।

यह संगठन डॉलर के मुकाबले नई मुद्रा बनाना चाहता था। मगर मैंने आते ही सबसे पहले कहा कि अगर किसी भी ब्रिक्स देश ने डॉलर के खिलाफ कदम उठाय तो उस पर 150 फीसदी टैरिफ लगाएंगे। हमें आपका सामान नहीं चाहिए। इसके बाद ब्रिक्स देश टूट गए।

मुझे नहीं पता ब्रिक्स के साथ क्या हुआ- डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 150 प्रतिशत टैरिफ की धमकी के बाद हमने ब्रिक्स के बारे में नहीं सुना है।

मुझे नहीं पता कि उनके साथ क्या हुआ- लगातार धमकी देने में जुटे ट्रंप डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति का पदभार संभालने से पहले ही ब्रिक्स देशों के धमकी दी थी। इसके बाद उन्होंने जनवरी महीने में अपनी धमकी दोहराई। बाद में 13 फरवरी को ट्रंप ने कहा था कि अगर ब्रिक्स देशों ने डॉलर के मुकाबले कोई अन्य मुद्रा को अपनाने की कोशिश की तो अमेरिका उन पर 100 फीसदी टैरिफ लगाएगा।

150 फीसदी टैरिफ की धमकी

रिपब्लिकन गवर्नर्स एसोसिएशन की बैठक में डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स पर अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

# यूक्रेन में बच्चे मर रहे थे और जेलेंस्की करवा रहे थे पत्नी के साथ फोटोशूट, मस्क ने तस्वीरें साझा कर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के बाद उनके सहयोगी और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने भी यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की पर हमला बोला है। मस्क ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच 2022 में जेलेंस्की और उनकी पत्नी द्वारा एक मैग्जीन के लिए करवाए गए फोटोशूट की तस्वीरें शेयर करके उनकी कड़ी आलोचना की है।

जेलेंस्की और पत्नी ने मैग्जीन के लिए करवाई फोटोशूट- मस्क ने लिखा कि जब वहां युद्ध के मोर्चे पर इतने बच्चे मर रहे थे, तब यह इस काम में मग्न थे। मैग्जीन के लिए कराई इस फोटोशूट में राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की और उनकी पत्नी ओलेना जेलेंस्की की तस्वीरें शामिल थीं। मैग्जीन ने इस फोटो को पोर्ट्रेट आफ ब्रेवरी- यूक्रेन की प्रथम महिला ओलेना जेलेंस्की के नाम से निकाला था। उस समय पर छपे इस फीचर का उद्देश्य युद्ध की परिस्थिति को लेकर यूक्रेनी लोगों का जागरुक करना था।

हालांकि, इस फोटोशूट के समय को लेकर कई जगहों पर काफी आलोचना हुई थी। इस फोटोशूट के लिए जेलेंस्की पहले भी आलोचना का सामना कर चुके हैं। इससे पहले रिपब्लिकन नेता लारेन बोएबर्ट ने भी इस पर कई सवाल उठाए थे।

जेलेंस्की को कोई फर्क नहीं पड़ता- मस्क ने जेलेंस्की को सवालों के घेरे में खड़ा करते हुए कहा था कि हम यूक्रेन की मदद करने के लिए 60 अरब डालर की सहायता भेज चुके हैं। लेकिन लगता है जेलेंस्की को ज्यादा फर्क नहीं पड़ता वह तो अपनी पत्नी के साथ फोटोशूट करवाने में व्यस्त हैं।

इस तस्वीर को लेकर कई लोगों ने जहां जेलेंस्की की आलोचना की तो कई ने उनका बचाव भी किया था। हालांकि मस्क द्वारा इस फोटो पर टिप्पणी करने के बाद यह एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई है।

# भगवान भी आ जाएं तो..., डीके शिवकुमार के बयान पर बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार विवादों में घिर गए हैं। उन्होंने हाल ही में एक बयान दिया था, जिस पर बखेड़ा खड़ा हो गया है। शिवकुमार ने कहा था कि अगर भगवान भी आ जाएं, तो बेंगलुरु को नहीं बदल सकते।

डीके शिवकुमार के इस बयान का सोशल मीडिया पर काफी विरोध किया गया। लोगों ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को राज्य में प्रोजेक्ट्स पूरे होने में हो रही देरी और ट्रैफिक की समस्याओं को लेकर लताड़ लगाई है।

शहर की समस्याओं पर बोल रहे थे डीके

दरअसल डीके शिवकुमार रोड कंस्ट्रक्शन वर्कशॉप का उद्घाटन करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने ये बयान दिया। शिवकुमार ने कहा कि बेंगलुरु का बढ़ रहा ट्रैफिक और इंफ्रास्ट्रक्टर की समस्याएं रातों रात नहीं खत्म हो सकतीं। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु अगले दो या तीन साल में नहीं बदल सकता। भगवान भी इसे नहीं बदल सकते। ये तभी हो सकता है, जब प्लानिंग बेहतर तरीके से की जाए और इसे सही तरीके से लागू भी किया जाए।

ट्रैफिक की समस्या से परेशान बेंगलुरु

डीके शिवकुमार का बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब बेंगलुरु के निवासी लगातार सड़क पर बढ़ रही ट्रैफिक की समस्या, मेट्रो विस्तार में देरी और पब्लिक ट्रांसपोर्ट की अनुपलब्धता का मामला उठा रहे हैं। आलोचको का कहना है कि लुभावने इंफ्रास्ट्रक्टर प्रोजेक्ट की घोषणा हो जा रही है, लेकिन एग्जीक्यूशन में काफी देरी होती है।

इकोनॉमिस्ट मोहनदास पाई ने भी शिवकुमार के बयान को लेकर आपत्ति जाहिर की है और सरकार के प्रोग्रेस पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया साइट पर लिखा, आपको मंत्री बने 2 साल हो गए है। हमें लगा था कि आप ताकतवर मंत्री साबित होंगे, लेकिन हमारी जिंदगी अब और ज्यादा खराब हो गई है।

## स्कूल जा रही थी 10वीं की छात्रा, तभी सीने में दर्द के बाद हुई बेहोश

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना में एक स्तब्ध कर देने वाली घटना सामने आई है। कामारेड्डी जिले में गुरुवार सुबह स्कूल जा रही 10वीं की छात्रा की संस्थान के बाहर ही हार्ट अटैक से मौत हो गई।

दरअसल, 16 साल की निधि रामारेड्डी मंडल के सिंगरायपल्ली गांव की रहने वाली थी और एक निजी स्कूल में पढ़ाई करने के लिए कामारेड्डी में रह रही थी, तभी ये घटना घटी।

अधिकारियों ने बताया कि स्कूल के पास उसे सीने में दर्द हुआ और वह बेहोश हो गई। स्कूल की एक शिक्षिका ने उसे देखा और तुरंत अस्पताल ले गई। डॉक्टरों ने उसकी जांच की और उसे सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) सहित प्रारंभिक उपचार दिया, लेकिन जब उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी तो उसे दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया।

दूसरे अस्पताल में निधि को हार्ट अटैक से मृत घोषित कर दिया गया।

स्कूल के शिक्षकों और छात्रों ने मौत पर दुख जताया और कई छात्रों ने यह भी कहा कि वे इस बात से स्तब्ध हैं कि निधि जैसी छोटी बच्ची की हार्ट अटैक से मौत हो गई। उसका शव उसके गृहनगर ले जाया गया है।

## ड्राइवर को आया हार्ट अटैक, कई वाहनों से टकराया ट्रक; भीषण हादसे में 1 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के कलबुर्गी में बीती रात भीषण सड़क हादसा हुआ। एक ट्रक चालक को ड्राइव करते हुए दिल का दौरा पड़ गया, जिससे ट्रक कई वाहनों से टकरा गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

यादगीर जिले के शाहपुर से कलबुर्गी की ओर जा रहा ट्रक, उस समय नियंत्रण से बाहर हो गया, जब चालक को दिल का दौरा पड़ा। डाइवर को जैसे ही हार्ट अटैक आया ट्रक कई ऑटो, बाइक और एक बिजली के खंभे से टकराया।

32 वर्षीय ट्रक ड्राइवर एक सब्जी व्यापारी था और उसका नाम मोहम्मद अली था। जैसे ही अली को हार्ट अटैक आया उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

कर्नाटक के कलबुर्गी में बीती रात भीषण सड़क हादसा हुआ। एक ट्रक चालक को ड्राइव करते हुए दिल का दौरा पड़ गया, जिससे ट्रक कई वाहनों से टकरा गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

यादगीर जिले के शाहपुर से कलबुर्गी की ओर जा रहा ट्रक, उस समय नियंत्रण से बाहर हो गया, जब चालक को दिल का दौरा पड़ा। डाइवर को जैसे ही हार्ट अटैक आया ट्रक कई ऑटो, बाइक और एक बिजली के खंभे से टकराया।

32 वर्षीय ट्रक ड्राइवर एक सब्जी व्यापारी था और उसका नाम मोहम्मद अली था। जैसे ही अली को हार्ट अटैक आया उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

## कांग्रेस सांसद पर हमले के 10 संदिग्धों की हुई पहचान, असम CM बोले- कानून के मुताबिक एक्शन लेगी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के नागांव जिले में कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन और उनके पीएसओ पर हमला करने के आरोप में अब तक 10 लोगों की पहचान की गई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। असम सरकार ने नागांव जिले में सांसद की सुरक्षा बढ़ाने का भी एलान किया है।

कानून के तहत पुलिस लेगी एक्शन- सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा कि पुलिस ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन पर हमले की कथित घटना में शामिल लोगों की पहचान कर ली है। पुलिस कानून के मुताबिक एक्शन लेगी।

रूपाहीहाट क्षेत्र का मामला- बता दें कि गुरुवार को धुबरी लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन, उनके बेटे तंजील और निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) पर नागांव जिले के रूपाहीहाट क्षेत्र में में नकाबपोश बदमाशों ने हमला किया था। इस दौरान आरोपियों ने रकीबुल हुसैन वापस जाओ के नारे भी लगाए थे।

क्रिकेट बैट से किया हमला- जानकारी के मुताबिक कांग्रेस सांसद को क्रिकेट बैट निशाना बनाया गया। हालांकि वे बाल-बाल बच गए। उनके बेटे को भी कोई चोट नहीं आई। वहीं उनके दो पीएसओ को मामूली चोट आई है।

सुरक्षा बढ़ाएगी राज्य सरकार- सांसद पर हमले के बाद सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने असम विधानसभा को जानकारी दी थी कि जब सांसद रकीबुल हुसैन जिले में रहेंगे, उस दौरान उनकी सुरक्षा बढ़ा दी जाएगी खासकर सामगुरी और रूपाहीहाट इलाकों में।

विपक्ष ने की हमले की निंदा- 15 से ज्यादा विपक्षी दलों के गुट असम सोनमिलिटो मोर्चा ने घटना की कड़ी निंदा की। मोर्चा ने घटना को राज्य में खतरनाक भविष्य की चेतावनी करार दिया। विपक्ष ने शुक्रवार को राज्य सरकार की आलोचना की और कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है और वह असम में जंगल राज और गुंडा राज को कायम नहीं होने देंगे।

## दहेज नहीं लेने पर भी हो सकती है कार्रवाई! SC ने IPC की धारा 498A को किया स्पष्ट; हाईकोर्ट के फैसले पर लगी रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की शीर्ष अदालत ने यह माना है कि आईपीसी के सेक्शन 498ए के तहत अपराध दर्ज करने के लिए दहेज की मांग जरूरी नहीं है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने एक मामले की सुनवाई करते हुए ये टिप्पणी की।

सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया गया कि आईपीसी का सेक्शन 498ए मूल रूप से क्रूरता के लिए है और दहेज न लेना इसे किसी तरह से प्रभावित नहीं करता। अदालत ने कहा कि दहेज की मांग न होना इस धारा को लागू करने के लिए कोई आवश्यक शर्त नहीं है।

पत्नी को पीटने का आरोप- दरअसल सुप्रीम कोर्ट आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें एक व्यक्ति के खिलाफ धारा 498ए के तहत कार्यवाही को इसलिए रद कर दिया गया था, क्योंकि इसमें दहेज की मांग शामिल नहीं थी। व्यक्ति पर उसकी पत्नी को पीटने और ससुराल ने निकालने का आरोप था। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि उसने कई बार वापस लौटने की कोशिश की, लेकिन उसे घर में घुसने नहीं दिया गया। पुलिस को दी शिकायत में उसने अपने पति और सास पर आरोप लगाए थे। पुलिस ने व्यक्ति और उसकी मां के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था।

हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक- आरोपी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें कहा गया था कि उन्होंने दहेज के लिए पत्नी को प्रताड़ित नहीं किया। हाईकोर्ट ने इस दलील को स्वीकार कर लिया और कहा कि धारा 498ए आईपीसी के तहत अपराध नहीं बनते। इसके बाद मामले को रद कर दिया गया।

हाईकोर्ट द्वारा मामला खारिज होने के बाद पीड़िता ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने धारा 498ए की जांच की और पाया कि क्रूरता की परिभाषा व्यापक है, जिसमें शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान शामिल है।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया और कहा कि स्पष्ट रूप से दहेज की मांग का अभाव प्रविधान की प्रयोज्यता को नकारता नहीं है, जहां शारीरिक हिंसा और मानसिक संकट के कृत्य प्रदर्शित किए गए हैं।

## भाषा थोपने का सवाल ही नहीं, लेकिन..., NEP विवाद पर धर्मेंद्र प्रधान ने सीएम स्टालिन पर किया पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन पर चल रहे विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को पत्र लिखा और उन पर राजनीतिक नैरेटिव को बनाए रखने के लिए विकासशील सुधारों को खतरों में बदलने का आरोप लगाया।

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन को लिखे पत्र को खुद केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया। स्टालिन को लिखे पत्र में प्रधान ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर युवा शिक्षार्थियों के हितों के बारे में सोचना चाहिए, जिन्हें नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से लाभ होगा।

जानिए क्या है पूरा मामला- दरअसल, हाल के दिनों में एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा था। इस पत्र में उन्होंने कहा कि दो केंद्र प्रायोजित पहलों समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) और पीएम श्री स्कूल को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के साथ जोड़ना मौलिक रूप से अस्वीकार्य है।

इस पत्र का जवाब देते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने सीएम स्टालिन पर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री ने तमिलनाडु के सीएम को लिखे अपने पत्र में कहा कि पीएम को भेजा गया पत्र मोदी सरकार द्वारा प्रचारित सहकारी संघवाद की भावना का पूर्ण खंडन है। इसलिए, राज्य के लिए एनईपी 2020 को अदूरदर्शी दृष्टि से देखना और अपने राजनीतिक लाभ को बनाए रखने के लिए प्रगतिशील शैक्षिक सुधारों को खतरे में डालना अनुचित है।

वर्तमान में तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच राज्य में एनईपी के कार्यान्वयन को लेकर विवाद देखने को मिल रहा है। तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने शिक्षा मंत्रालय पर महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए धन रोकने का आरोप भी लगाया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com
jagrayam.com
online news magazine

# हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 फाल्गुन नवमी


मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

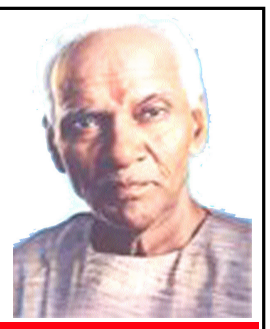

## संपादकीय

# वैश्विक स्तरपर डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक सोशल मीडिया की अति तीव्र गति से प्रगति हुई है

वैश्विक स्तरपर डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक सोशल मीडिया की अति तीव्र गति से प्रगति हुई है। एक ओर जहां हमें अनेक लाभ मिल रहे हैं, तो उनके साइड इफेक्ट्स भी हमें देखने को मिल रहे हैं। हम व्हाट्सएप फेसबुक इंस्टाग्राम, टेलीग्राम ओटीटी इत्यादि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हमें कई अश्लील फोटो व कंटेंट पोस्ट करने व देखने को प्रचलन बढ़ सा गया है। व्हाट्सएप ग्रुप में अगर कोई जानकारी पढ़ा लिखा, कानूनविद वकील सीए या लोकतंत्र के चौथे स्तंभ यानी मीडिया से जुड़ा व्यक्ति है तो ग्रुप एडमिन उसे रिमूव भी कर देता है, जिसका जीता जाता उदाहरण मैं हूं, मुझे एक व्हाट्सएप ग्रुप जिसमें अभद्रता कंटेंट्स का चलन अधिक था उसमें से मुझे रिमूव किया गया क्योंकि उनकी पोलपट्टी का मैं साक्षात गवाह बन रहा था। किसी केकेटी नामक खैराती एडमिन ने मुझे रिमूव किया है जो मीडिया जगत के लिए अपमान वाली बात है, जिसे रेखांकित करना जरूरी। हालांकि इन अश्लील कंटेंट्स को नियंत्रित करनेके लिए एमआईबी द्वारा अनेकों बार समय समय पर अनेकों दिशानिर्देश जारी किए जाते हैं। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 20 फरवरी 2025 को केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) ने एक नई एडवाइजरी जारी की है जिसका पालन नहीं करने पर या नियमों का उल्लंघन कर नियम तोड़ने वाले को जेल की हवा खानी पड़ सकती है, चूँकि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्हाट्सएप ग्रुप बनाने का प्रचलन बड़ा है, अतः चार कानूनों के अंतर्गत सख्ती से कार्यवाही ज़रूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सीक्रेट कैमरों से श्रद्धालु महिलाओं की निजता हनन, इलाहाबादिया, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्ट्राग्राम पर अभद्र कंटेंट का संभाव्य संज्ञान को लेकर लेकर सख्त कार्रवाई ज़रूरी।

साथियों बात अगर हम केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी नई गाइडलाइंस की करें तो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) ओटीटी जिसमें अवैध और प्रतिबंधित कंटेंट से बचने, उम्र-आधारित वर्गीकरण लागू करने और वयस्क सामग्री के लिए एक्सेस कंट्रोल मैकेनिज्म को अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।यह एडवाइजरी ऐसे समय में आईहै जब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट को लेकर विवाद बढ़ रहे हैं, हाल ही में यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया की एक डिजिटल शो में की गई भद्दी टिप्पणी को लेकर भी काफी हंगामा हुआ था। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को भारतीय कानूनों और आईटी नियम , 2021(इंटरमीडिअरी गाइडलाइंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) के तहत बनाए गए 'कोड ऑफ एथिक्स' का सख्ती से पालन करना होगा। यदि कोई प्लेटफॉर्म इन नियमों का उल्लंघन करता है तो इन कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी, यहां तक कि जेल की रोटी भी तोड़नी पड़ सकती हैं (1) महिला अश्लील प्रतिनिधित्व (निषेध) अधिनियम, 1986 भारतीय न्याय संहिता, 2023 (2) बाल यौन शोषण से सुरक्षा (पॉकसो) अधिनियम (3) सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम, 2000 ड्रग्स और साइकोट्रॉपिक पदार्थों के प्रचार पर रोक (4) ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को नशीले पदार्थों और साइकोट्रॉपिक ड्रग्स के उपयोग को बढ़ावा देने या उसे ग्लैमराइज़ करने से बचने के निर्देश दिए गए हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिए मुख्य डिजाइन दिशा निर्देश, (1) ड्रग्स के चित्रण पर उच्च श्रेणीकरण- यदि किसी कंटेंट में नशीले पदार्थों या खतरनाक व्यवहार को दिखाया गया है, जिससे अपराध या आत्म-हानि को बढ़ावा मिल सकता है।

# कस्तूरबा गाँधी

कस्तूरबा गांधी, महात्मा गांधी की पत्नी जो भारत में बा के नाम से विख्यात हैं। भारत के गौरवशाली इतिहास में बलिदान की इतनी गाथाएँ हैं कि सितारों की गिनती तक कम पड़ जाती है। अगर हम अपने इतिहास की विवेचना करने बैठें तो महिलाओं के बढ़-चढ़ कर योगदान देखने को मिलेंगे, फिर चाहे वो संस्कृति हो, परंपरा, राजनीति, अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति या कुछ और, कोई भी विद्या नारी स्पर्श से अछूती नहीं रही है। अगर हम अपने स्वतंत्रता संग्राम की ही बात करें तो अनगिनत महिलाओं का नाम प्रतिबिंबित होता है जो बहुत सक्रिय रहीं सबसे पहली महिला जिनका नाम ही स्वतंत्रता का पर्याय बन गया है वो हैं श्रीमती कस्तूरबा गाँधी। कस्तूरबा गाँधी महात्मा गाँधी की पत्नी थीं।

### जीवनी

कस्तूरबा गाँधी का जन्म 11 अप्रैल सन् 1869 ई. में महात्मा गाँधी की तरह काठियावाड़ के पोरबंदर नगर में हुआ था। इस प्रकार कस्तूरबा गाँधी आयु में गाँधी जी से 6 मास बड़ी थीं। कस्तूरबा गाँधी के पिता गोकुलदास मकनजी साधारण स्थिति के व्यापारी थे। गोकुलदास मकनजी की कस्तूरबा तीसरी संतान थीं। उस जमाने में कोई लड़कियों को पढ़ाता तो था नहीं, विवाह भी अल्पवय में ही कर दिया जाता था। इसलिए कस्तूरबा भी बचपन में निरक्षर थीं और सात साल की अवस्था में 6 साल के मोहनदास के साथ उनकी सगाई कर दी गई। तेरह साल की आयु में उन दोनों का विवाह हो गया। बापू ने उन पर आरंभ से ही अंकुश रखने का प्रयास किया और चाहा कि कस्तूरबा बिना उनसे अनुमति लिए कहीं न जाएं, किंतु वे उन्हें जितना दबाते उतना ही वे आज़ादी लेती और जहाँ चाहतीं, चली जातीं।

### स्वतंत्रता कुमुक की प्रतिभागी

कस्तूरबा गाँधी, महात्मा गाँधी के स्वतंत्रता कुमुक की पहली महिला प्रतिभागी थीं। कस्तूरबा गाँधी का अपना एक दृष्टिकोण था, उन्हें आज़ादी का मोल और महिलाओं में शिक्षा की महत्ता का पूरा भान था। स्वतंत्र भारत के उज्ज्वल भविष्य की कल्पना उन्होंने भी की थी। उन्होंने हर क़दम पर अपने पति मोहनदास करमचंद गाँधी का साथ निभाया था। बा जैसा आत्मबलिदान का प्रतीक व्यक्तित्व उनके साथ नहीं होता तो गाँधी जी के सारे अहिंसक प्रयास इतने कारगर नहीं होते। कस्तूरबा ने अपने नेतृत्व के गुणों का परिचय भी दिया था। जब-जब गाँधी जी जेल गए थे, वो स्वाधीनता संग्राम के सभी अहिंसक प्रयासों में अग्रणी बनी रहीं।

### कस्तूरबा के लिए प्रेरणा बने बापू

गाँधी जी जो कहते थे, उसे स्वयं भी करते थे, यह अटूट सत्य था। उनसे जुड़े अनेक प्रेरक प्रसंग हैं, लेकिन यहाँ ऐसे प्रसंग का वर्णन किया जा रहा है जो अत्यधिक प्रेरक हैं।

कस्तूरबा गाँधी बीमार रहती थीं। एक दिन गाँधी जी ने उन्हें सलाह दी कि तुम नमक खाना छोड़ दो, तो अच्छी हो जाओगी।

कस्तूरबा ने कहा- नमक के बिना भोजन कैसे किया जाएगा।

गाँधी जी बोले- नमक छोड़कर देखो तो सही।

कस्तूरबा ने प्रतिवाद करते हुए कहा - पहले आप ही छोड़कर देखिए न?

गाँधी जी ने संकल्प करते हुए कहा- बस अभी से छोड़ दिया।

उसी दिन से गाँधी जी ने नमक का प्रयोग करना छोड़ दिया। गाँधी जी अपनी बात के स्वयं प्रेरक बन गए। वैसे भी मनुष्यों को जितनी भी बीमारियाँ हैं, उसमें उसके द्वारा खान-पान का दोष ही अधिक है।

### मृत्यु

9 अगस्त सन् 1942 ई. को बापू के गिरफ़्तार हो जाने पर कस्तूरबा गाँधी ने, शिवाजी पार्क, मुंबई में, जहाँ स्वयं बापू भाषण देने वाले थे, सभा में भाषण करने का निश्चय किया। किंतु पार्क के द्वार पर पहुँचने पर कस्तूरबा गाँधी गिरफ़्तार कर ली गई। कस्तूरबा गाँधी को दो दिन बाद पूना के आगा खाँ महल में भेज दिया गया। बापू गिरफ़्तार करके पहले ही वहाँ भेजे जा चुके थे। उस समय कस्तूरबा गाँधी अस्वस्थ थीं। 15 अगस्त को जब यकायक महादेव देसाई ने महाप्रयाण किया तो कस्तूरबा गाँधी बार बार यही कहती रहीं महादेव क्यों गया, मैं क्यों नहीं। बाद में महादेव देसाई का चितास्थान कस्तूरबा गाँधी के लिए शंकर-महादेव का मंदिर सा बन गया। कस्तूरबा गाँधी प्रतिदिन वहाँ जाती थीं और समाधि की प्रदक्षिणा कर उसे नमस्कार करतीं। कस्तूरबा गाँधी उस पर दीप भी जलवातीं थीं।

कस्तूरबा गाँधी का गिरफ़्तारी की रात को जो स्वास्थ्य बिगड़ा वह फिर संतोषजनक रूप से सुधरा नहीं और कस्तूरबा गाँधी ने 22 फ़रवरी सन् 1944 को अपना प्राण त्याग दिए। उनकी मृत्यु के उपरांत राष्ट्र ने महिला कल्याण के निमित्त एक करोड़ रुपया एकत्र कर इन्दौर में कस्तूरबा गाँधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट की स्थापना की।

# एयर इंडिया यात्रियों के लिए गुड न्यूज! 60 नए ट्रैवल रूट खुले

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया ने विदेश में घूमने-फिरने के शौकीनों के लिए बड़ी घोषणा की है। अब एयर इंडिया के यात्रियों को 12 भारतीय शहरों और 26 यूरोपीय शहरों के बीच यात्रा करने की नई सुविधा मिलेगी। इसके लिए एयर इंडिया ने जर्मन एयरलाइन लुफ्थांसा, ऑस्ट्रियन एयरलाइंस और स्विस इंटरनेशनल एयरलाइंस के साथ कोड शेयरिंग समझौते को विस्तार दिया है। इससे यात्रियों को अधिक कनेक्टिविटी और आसान ट्रांसफर की सुविधा मिलेगी।

एयर इंडिया की नई अंतरराष्ट्रीय साझेदारी- एयर इंडिया ने घोषणा की कि उसने ऑस्ट्रियन एयरलाइंस के साथ एक नया कोड शेयरिंग समझौता किया है। साथ ही, लुफ्थांसा और स्विस एयरलाइंस के साथ मौजूदा समझौतों का विस्तार किया गया है। इस समझौते का फायदा यात्रियों को यह होगा कि वे एयर इंडिया की फ्लाइट बुक कराकर भी इन विदेशी एयरलाइंस के रूट्स का लाभ उठा सकेंगे। इससे यूरोप और अन्य इंटरनेशनल डेस्टिनेशन तक सफर और भी आसान हो जाएगा।

इस नए करार के बाद, एयर इंडिया, लुफ्थांसा और स्विस एयरलाइंस के बीच कोड शेयरिंग रूट्स की संख्या 55 से बढ़कर लगभग 100 हो गई है।

कौन-कौन से नए रूट्स होंगे कवर?

नए कोड शेयरिंग समझौते के तहत यात्रियों को भारत के 12 प्रमुख शहरों और यूरोप के 26 शहरों के लिए यात्रा करने की सुविधा मिलेगी।

भारतीय शहर- दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, अहमदाबाद, पुणे, कोच्चि, त्रिवेंद्रम, लखनऊ, जयपुर।

यूरोपीय शहर- वियना, ज्यूरिख, फ्रैंकफर्ट, म्यूनिख, बर्लिन, डसेलडॉर्फ, स्टटगार्ट, जिनेवा, ब्रुसेल्स, प्राग, वाशिंगटन डीसी, टोरंटो आदि।

एयर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट्स होंगी डबल- एयर इंडिया ने अगले तीन वर्षों में अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को दोगुना करने की योजना बनाई है। अभी एयर इंडिया सालाना 313 इंटरनेशनल फ्लाइट ऑपरेट करती है। इसे जल्द ही दोगुना किया जाएगा, ताकि लंबी दूरी के अंतरराष्ट्रीय मार्केट में एयर इंडिया की मौजूदगी मजबूत हो सके।

## लुढ़कते बाजार में भी दहाड़ रहा यह शेयर, विजय केडिया ने खरीदे हैं 1530000 शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लुढ़कते बाजार में भी एक छोटी कंपनी टीएसी इंफोसेक के शेयर रॉकेट सा उड़ रहे हैं। टीएसी इंफोसेक के शेयर शुक्रवार को 5 पर्सेंट की तेजी के साथ 1212.40 रुपये पर बंद हुए हैं। लगातार दूसरे दिन कंपनी के शेयर अपर सर्किट पर रहे हैं। दिग्गज इनवेस्टर विजय केडिया का टीएसी इंफोसेक पर बड़ा दांव है। केडिया के पास कंपनी के 15 लाख से ज्यादा शेयर हैं। पिछले 11 महीने में टीएसी इंफोसेक के शेयरों में 1000 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है।

IPO में टीएसी इंफोसेक के शेयर का दाम 106 रुपये था। कंपनी का आईपीओ दांव लगाने के लिए 27 मार्च 2024 को खुला था और यह 2 अप्रैल 2024 तक ओपन रहा। टीएसी इंफोसेक के शेयर 5 अप्रैल 2024 को 290 रुपये पर बाजार में लिस्ट हुए। लिस्टिंग वाले दिन ही कंपनी के शेयर तेजी के साथ 304.50 रुपये पर बंद हुए। लिस्टिंग के बाद से कंपनी के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर 21 फरवरी 2025 को 1212.40 रुपये पर बंद हुए हैं। 106 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले टीएसी इंफोसेक के शेयर 1000 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1420.65 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 261.10 रुपये है।

## तो इस वजह से गिर रहा है रुपया.... आरबीआई की रिपोर्ट में हुआ खुलासा, जानिए दूसरे देशों की करेंसी की क्या है हाल

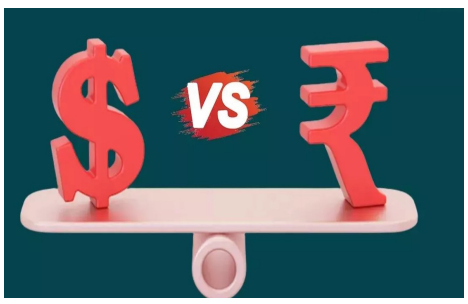


नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को मुद्रा बाजार में आरबीआई की मुस्तैदी ने डॉलर के मुकाबले ना सिर्फ रुपये को थामा, बल्कि रुपया एक कारोबारी दिन में 33 पैसे मजबूत हो कर 86.65 के स्तर पर बंद हुआ।

विशेषज्ञों का कहना है कि बुधवार को देर रात अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से ऑटो, फार्मा व कुछ धातुओं के आयात पर 25 फीसद टैक्स लगाने की घोषणा के बाद दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने अपनी अपनी मुद्राओं को थामने में पूरी ताकत झोंक दी। इस वजह से रुपया भी मजबूत हुआ है, लेकिन यह भविष्य की गारंटी नहीं है।

रुपये की कीमतों को प्रभावित कर रहे ये कारक

एक दिन पहले जारी आरबीआई की मासिक रिपोर्ट बताती है कि अमेरिकी डॉलर की मजबूती, एफआईआई की निकासी और वैश्विक अस्थिरता तीन ऐसे कारक हैं, जो रुपये की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं।

जनवरी, 2025 में डॉलर के मुकाबले रुपया 1.5 फीसद कमजोर हुआ है। जापानी येन, ब्रिटिश पौंड, अर्जेंटीना पेसो, दक्षिण अफ्रीका की रेंड की गिरावट भारत से ज्यादा है, लेकिन चीन, थाइलैंड, ताइवान, फिलीपींस, मलयेशिया की मुद्राओं में गिरावट भारत से कम है।

विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहा असर- विशेषज्ञों का मानना है कि जिन देशों की इकोनॉमी अमेरिका के साथ ज्यादा मजबूती से जुड़ी है, वहां करेंसी पर थोड़ा कम असर हुआ है। यानी एशिया के जिन विकासशील देशों से भारतीय निर्यातकों का मुकाबला है, उनकी मुद्राएं भारतीय रुपये से बेहतर स्थिति में हैं। रुपये की यह गिरावट पिछले छह महीनों में बहुत ही तेज रही है और इसका असर विदेशी मुद्रा भंडार पर साफ दिख रहा है।

23 सितंबर, 2024 से 18 फरवरी, 2025 के बीच डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 83.70 से घट कर 86.98 पर आ गई है। इस दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार में 68 अरब डॉलर की कमी हो चुकी है। वैसे अभी यह 638.26 अरब डॉलर पर है जो देश के 10-11 महीनों के आयात बिल का भुगतान करने लायक है।

## 856 पर जाएगा टाटा का यह शेयर, एक्सपर्ट का अनुमान, रेखा झुनझुनवाला के पास हैं कंपनी के 1 करोड़ शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर लगातार मजबूत बढ़ोतरी दिखा रहा है, जिसमें प्रमुख लग्जरी एसेट्स का समूचे रेवेन्यू में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस पॉजिटिव रुझान के कारण एनालिस्ट का दृष्टिकोण अनुकूल रहा है, जो इस सेक्टर में मजबूत कमाई की संभावना देख रहे हैं। इस दौरान मॉर्गन स्टेनली ने टाटा समूह की होटल कंपनी पर अपना भरोसा दिखाया है और इसे खरीदने की सलाह दी है। मॉर्गन स्टेनली ने इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड पर अपनी ओवरवेट रेटिंग दोहराई है।

क्या है डिटेल- ब्रोकरेज ने आईएचसीएल के स्टॉक पर टारगेट प्राइस भी सेट किया है, जो इसके भविष्य के परफॉर्मेंस को लेकर पॉजिटिव है। मॉर्गन स्टेनली ने IHCL पर 856 रुपये टारगेट प्राइस तय किया है। बता दें कि आज शुक्रवार को यह शेयर कारोबार के दौरान 3त्न तक चढ़कर 779.10 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंचा था। इसका पिछला बंद प्राइस 760.85 रुपये है। बीएसई पर दी गई जानकारी के मुताबिक, कंपनी में रेखा झुनझुनवाला के पास 1,42,87,765 शेयर हैं, यह 1 पर्सेंट हिस्सेदारी के बराबर है। वहीं, दिवंगत राकेश झुनझुनवाला के पास कंपनी के 1.2त्न हिस्सेदारी यानी 1,45,23,200 शेयर हैं।

# महंगी होने लगी चीनी, गन्ना उत्पादन घटने का दिख रहा असर

गन्ने का कम उत्पादन, रिकवरी दर में गिरावट, निर्यात की अनुमति और एथनाल में अत्यधिक इस्तेमाल के चलते चीनी की कीमतें चढ़ने लगी हैं। आकलन है कि उपभोक्ताओं की जेब पर भी बोझ पड़ना तय है। घरेलू मार्केट में अभी से ऐसा दिखने भी लगा है। पिछले एक महीने के दौरान चीनी की कीमतों में लगभग दो प्रतिशत की तेजी आई है। आगे भी राहत की उम्मीद नहीं है।

गन्ने के अभाव में मध्य फरवरी में 77 चीनी मिलें बंद हो चुकी हैं। चीनी उत्पादन में अब तक लगभग 50 लाख टन से अधिक की कमी होने का अनुमान है। ऑल इंडिया शुगर ट्रेड एसोसिएशन को इससे भी ज्यादा कमी होने की आशंका है।

चीनी मिलों के धड़ाधड़ गिर रहे शटर

नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड (एनएफसीएसएफ) की रिपोर्ट में दिसंबर में ही आशंका जताई गई थी कि चीनी मिलों को गन्ने के संकट का सामना करना पड़ सकता है। प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में महाराष्ट्र की 30 और कर्नाटक की 34 चीनी मिलें 15 फरवरी के पहले ही बंद हो गई हैं।

तमिलनाडु में भी चार चीनी मिलों को बंद कर दिया गया है। इसी तरह उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, उत्तराखंड एवं गुजरात में भी चीनी मिलों के शटर धड़ाधड़ गिरने लगे हैं, जबकि सामान्य तौर पर चीनी मिलें मार्च-अप्रैल तक चलती हैं।

गन्ने के अभाव में कुल चीनी उत्पादन में लगभग 12 से 14 प्रतिशत की कमी का अनुमान किया जा रहा है। पिछले वर्ष 319 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था, किंतु इस वर्ष अभी तक 270 लाख टन चीनी उत्पादन की उम्मीद है। इस आंकड़ें के और भी नीचे जाने की बात कही जा रही है। चीनी उत्पादन में जब इतनी बड़ी गिरावट आएगी तो मूल्य पर असर पड़ना तय है।

खराब फसल का चीनी रिकवरी दर पर असर- चीनी उत्पादन में कमी का एक और बड़ा कारण रिकवरी दर में गिरावट को माना जा रहा है। गन्ने की खराब फसल का असर चीनी रिकवरी दर पर पड़ा है। पिछले वर्ष फरवरी तक 9.87 प्रतिशत औसत रिकवरी दर थी, जो इस बार सिर्फ 9.09 प्रतिशत रह गई है।

बेमौसम बारिश के चलते सबसे अधिक असर कर्नाटक और महाराष्ट्र पर पड़ा है। कर्नाटक में रिकवरी दर 9.75 प्रतिशत से गिरकर 8.50 प्रतिशत पर आ गई है। इसी तरह उत्तर प्रदेश में पिछले वर्ष 10.20 प्रतिशत रिकवरी दर थी जो इस बार 9.30 प्रतिशत पर आ गई है।

## सुस्त बाजार में 5 दिन से बढ़ रहा यह दिग्गज शेयर, निवेशकों में खरीदने की होड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाजार बिकवाली मोड में है लेकिन इस माहौल के बीच भी कुछ शेयर रॉकेट की रफ्तार से बढ़ रहे हैं। इनमें से एक शेयर गोदरेज इंडस्ट्रीज (जीआईएल) है। इस कंपनी के शेयर बीएसई पर 18 प्रतिशत बढ़कर 1193.05 रुपये पर पहुंच गए। कारोबार के अंत में शेयर 13.17% बढ़कर 1133.40 रुपये पर पहुंच गया। बता दें कि पिछले दो दिनों में गोदरेज समूह की कंपनी का शेयर 33 फीसदी चढ़ गया है। वहीं, यह लगातार पांचवां कारोबारी दिन है जब शेयर में तेजी देखी जा रही है। इस अवधि के दौरान शेयर 43 प्रतिशत बढ़ गया है।

बता दें कि 6 सितंबर 2024 को शेयर 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 1,313.95 रुपये पर पहुंच गया था। जून 2024 में यह शेयर 724.35 रुपये के निचले स्तर तक गया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

# ई-नगरपालिका 2.0 पोर्टल जल्द होगा लॉन्च, घर बैठे मिलेंगी 24 सेवाएं

भोपाल। ई-नगरपालिका का नया पोर्टल शुरू होने वाला है। इसकी तैयारी अंतिम चरण में हैं। यह नया पोर्टल पहले पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया जाएगा। इसमें भोपाल नगर निगम भी शामिल होगा। सब कुछ ठीक रहा तो इस वर्ष यह पोर्टल पूरी तरह काम करने लगेगा।

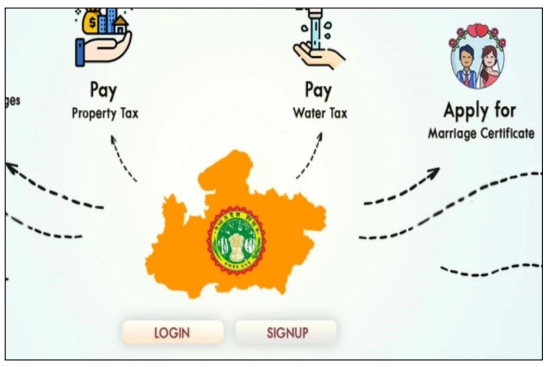


### घर बैठे मिलेंगी सेवाएं

अभी जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाना हो या नया नल कनेक्शन लेना हो तो नागरिकों को नगर निगम कार्यालय जाना पड़ता है। इसके अलावा कई अन्य सेवाओं के लिए भी नागरिकों को निगम के कार्यालय जाना पड़ता है। नए पोर्टल से सभी सेवाएं घर बैठे ही मिलने लगेंगी।ई-नगरपालिका 2.0 पोर्टल को तकनीकी रूप से और उन्नत बनाया जा रहा है ताकि पिछली बार जो दिक्कत आई थी, उनका सामना इस बार न करना पड़े।

### नए पोर्टल यह होगा खास

वर्तमान में ई-नगर पालिका पोर्टल पर 22 नागरिक सेवाएं और 15 माड्यूल उपलब्ध हैं। नए वर्जन ई-नगरपालिका 2.0 में 24 सेवाएं और 16 माड्यूल होंगे। इसके अलावा, इसमें जीआइएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का भी उपयोग किया जाएगा।

इससे सिस्टम को और अधिक आधुनिक और प्रभावी बनाया जा सकेगा। इन सेवाओं का मिलेगा लाभ नए पोर्टल पर जिन 24 सेवाओं को जोड़ा जा रहा है।

### ये सेवाएं मिलेंगी

संपत्ति कर का नया खाता खोलना और कर जमा करना
नल कनेक्शन लेना और जलकर भुगतान
जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाना
दुकानों का लाइसेंस बनवाना
पेड़ काटने की अनुमति लेना
फायर एनओसी प्राप्त करना

# 'हमें शांति से चोरी करने दो, वरना जान से मार देंगे'... एमपी के इस शहर में घरों में पर्चियां फेंक लोगों को धमका रहे चोर

ग्वालियर। शहर के पिंटो पार्क क्षेत्र की सूर्य विहार कॉलोनी में अजीबो गरीब मामला सामने आया है। क्षेत्र में चोरों का आतंक इन दिनों बढ़ता जा रहा है। सुबह यहां चोरों ने लोगों के घरों में पर्ची फेंक कर उन्हें धमकाना शुरू कर दिया है।

कागज की पर्ची पर चोर स्थानीय निवासियों को धमकाते हुए संदेश दे रहे हैं कि उन्हें शांति से चोरी करने दी जाए, अन्यथा वह स्थानीय लोगों को जान से मार देंगे। इस मामले से जुड़ा स्थानीय लोगों का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। हालांकि इस मामले में अब तक कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है।एक साल से हो रही चोरियां, पुलिस ध्यान नहीं देती

स्थानीय लोगों का कहना है कि चोरी की वारदात क्षेत्र में लगभग एक वर्ष पहले से होती चली आ रही है। कई बार गोले का मंदिर थाने को शिकायत भी दी थी, लेकिन इस मामले में पुलिस ने भी कोई कार्रवाई नहीं की है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि आसपास में लेबर का काम करने वाले लोग ही चोरी करते हैं। चोर आए दिन किसी न किसी के घर में कूद जाते हैं और घर के बाहर से जूते-चप्पल तक भी चुरा ले जाते हैं।

कई बार ऐसा भी हुआ है कि चोरी करने आए उन चोरों ने लोगों के घर के खिड़की-दरवाजों को बाहर से बंद कर दिया है। इसके बाद आस पड़ोस में रहने वाले लोग आकर खिड़की-दरवाजे खोलते हैं।

### पुलिस के सामने कूदे

कॉलोनी में रहने वाले एक बुजुर्ग ने बताया कि कॉलोनी वालों ने इस मामले की शिकायत गोला का मंदिर पुलिस को दी थी, पुलिस के कुछ लोग मौका मुआयना करने भी आए थे। जब पुलिस वाले आए तो वो चोर किसी के घर की बाउंड्री से कूद रहे थे। पुलिस ने न तो उन्हें रोका-टोका और न ही उनके खिलाफ कोई कार्यवाही की।

### चोरी की कोई घटना नहीं

सूर्य विहार कॉलोनी से बीते दिनों में कोई भी चोरी की घटना सामने नहीं आई है। जिस पर्ची की बात की जा रही है वो भी रात में कोई शरारती तत्व किसी के घर के सामने छोड़ गया था, इसकी भी कोई शिकायत नहीं आई है।

**- हरेंद्र शर्मा, थाना प्रभारी, गोला का मंदिर**

## महाकुंभ के अंतिम चरण में बढ़ेगा श्रद्धालुओं का दबाव, एक्शन में रेलवे- ट्रेन के टाइम पर ही स्टेशन में मिलेगा प्रवेश

जबलपुर। महाकुंभ के अंतिम चरण में श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अब टिकट होने पर ही यात्रियों को प्रवेश दिया जाएगा। इसके लिए जबलपुर जंक्शन के साथ ही कटनी और सतना स्टेशन में तैयारी कर ली गई है।

इस सप्ताहांत से लेकर महाशिवरात्रि तक तीनों रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर वाणिज्य और सुरक्षा कर्मियों की अतिरिक्त संख्या में तैनाती होगी। यात्रियों की टिकट का परीक्षण कर, संबंधित समय पर ट्रेन होने पर ही उन्हें प्रवेश दिया जाएगा। यह कवायद प्लेटफार्म पर यात्रियों की भीड़ को बेकाबू होने से रोकने के लिए गया है।ट्रेन के प्रस्थान के समय तक यात्रियों को स्टेशन के बाहर अस्थाई प्रतीक्षालय में रोका जाएगा। इसके लिए अस्थाई प्रतीक्षालयों का विस्तार किया जा रहा है।

### दिल्ली की घटना से लिया सबक

हाल ही में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में यात्रियों का भार बढ़ने पर दुर्घटना घटित होने के बाद पश्चिम मध्य रेल में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। जबलपुर रेल मंडल के जबलपुर, कटनी और सतना रेलवे स्टेशन प्रयागराज रेल मार्ग पर स्थित है।

रेलमार्ग पर महाकुंभ आरंभ होने के बाद प्रत्येक ट्रेन और स्टेशन में श्रद्धालुओं की भीड़ बनी हुई है। प्लेटफार्म पर अचानक भीड़ बढ़ने से व्यवस्थाएं अनियंत्रित हो जाती है।

दुर्घटना के खतरें को टालने के लिए प्लेटफार्म पर भीड़ एकत्रित होने से रोकने की योजना बनाई गई है। स्टेशन में एक ही द्वार से यात्रियों को प्रवेश देने का निर्णय किया गया।

### प्लेटफार्म एवं अनारक्षित टिकट पर भी रखेंगे दृष्टि

रेलवे की ओर से भीड़ बढ़ने पर महाकुंभ स्पेशल ट्रेन चलाने की भी तैयारी की गई है। इन ट्रेनों में अनारक्षित टिकट लेकर श्रद्धालु यात्रा कर सकेंगे। अभी अनारक्षित टिकट लेकर यात्रियों की भीड़ स्टेशन के अंदर प्रवेश कर जाती है। प्लेटफार्म में भीड़ बढ़ने से व्यवस्था प्रभावित होती है। इसलिए अनारक्षित टिकट का विक्रय ट्रेन की उपलब्ध सुविधा के अनुसार किया जाएगा।अधिकारी नजर रखेंगे, आवश्यकता होने पर प्लेटफार्म टिकट विक्रय बंद कर दिया जाएगा।

## शिक्षकों को सातवें वेतनमान के एरियर भुगतान का आदेश, पांचवी किस्त जल्द होगी जारी

ग्वालियर। संचालनालय लोक शिक्षण ने सभी शिक्षकों को सातवें वेतन आयोग के एरियर की किश्त का भुगतान करने के आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि जल्द से जल्द किश्त का भुगतान शीघ्र कर दिया जाए, अन्यथा संबंधित अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

### पांच किश्तों में एरियर देने के निर्देश

यह आदेश सभी संयुक्त संचालकों, जिला शिक्षा अधिकारियों व सभी आहरण संवितरण अधिकारियों के लिए जारी किया गया है। शिक्षकों को सातवें वेतन आयोग के एरियर की राशि को पांच किश्तों में देने के आदेश हुए थे।शिक्षकों को 2023-24 की किश्त दी जा चुकी है। अब केवल 2024-25 में पांचवी यानि अंतिम किश्त जारी होनी है। इसके लिए लोक शिक्षण ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं।

### यह है आदेश

आदेश में कहा गया है कि सभी पात्र शिक्षकों को शत प्रतिशत एयरियर राशि के भुगतान के पत्रक

23 फरवरी तक मंगवा लें और उनका भुगतान करना सुनिश्चित करें। यदि किसी शिक्षक की और भी किश्तें बाकी हैं, तो उनका भुगतान भी करना सुनिश्चित किया जाए।

निजी स्कूलों को मान्यता नवीनीकरण आवेदन के लिए एक और मौका राज्य शिक्षा केंद्र ने निजी स्कूलों की मान्यता नवीनीकरण के लिए आवेदन करने के लिए दूसरी बार तिथि को फिर से बढ़ा दिया है। अब निजी स्कूल संचालक 25 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन विलंब सहित भर सकते हैं। इसके बाद अब स्कूल मान्यता के लिए तिथि नहीं बढ़ाने के संकेत भी राज्य शिक्षा केंद्र ने दिए हैं।

### 20 फीसदी स्कूल नहीं कर पाए आवेदन

ग्वालियर जिले के 20 फीसदी के करीब स्कूल मान्यता के लिए आवेदन नहीं कर पाए थे। ऐसे में इन स्कूलों को एक बार फिर से मौका मिला है। हालांकि ये स्कूल संचालक मान्यता के नए नियमों की वजह से आवेदन नहीं कर पाए थे।

### किरायानामा न होने से हुआ पेंडिंग

इस बार राज्य शिक्षा केंद्र ने निजी स्कूलों के लिए मान्यता नवीनीकरण के लिए नई शर्तें व नियम तय किए थे। इनमें सभी नियमों में रजिस्ट्रर्ड किरायानामा लगाने की शर्त को निजी स्कूल संचालक पालन नहीं कर पा रहे हैं।इस वजह से वे अंतिम तिथि तक जमा नहीं कर पाए थे। इनमें वे स्कूल शामिल हैं जो रजिस्टर्ड किरायानामा नहीं बनवा सके थे। ये स्कूल उन जमीनों पर बने हुए हैं, जिनकी रजिस्ट्री नहीं है या फिर सरकारी जमीन या किसी अन्य संस्था की जमीन पर बने हुए हैं।

### मान्यता निरस्त

राज्य शिक्षा केंद्र ने आवेदन करने के लिए पहले 31 जनवरी अंतिम तारीख निश्चित की थी। इसके बाद 14 फरवरी तक की और अब 25 फरवरी कर दी है।

## शनिवार से तापमान में होगी बड़ी गिरावट, पचमढ़ी रहा प्रदेश में सबसे ठंडा

भोपाल। प्रदेश में वर्तमान में अलग-अलग स्थानों पर चार मौसम प्रणालियां सक्रिय हैं। हवाओं के साथ नमी आने से आंशिक बादल भी बने हुए हैं। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, शुक्रवार को पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ने की संभावना है। इस वजह से शनिवार से रात के तापमान में गिरावट हो सकती है।

पिछले 24 घंटों के दौरान गुरुवार सुबह साढ़े आठ बजे तक भिंड, मुरैना, शिवपुरी, ग्वालियर एवं छतरपुर में वर्षा हुई। गुरुवार को प्रदेश में सबसे कम 11.5 डिग्री सेल्सियस तापमान हिल स्टेशन पचमढ़ी में दर्ज किया गया। दिन का सबसे अधिक 34 डिग्री सेल्सियस तापमान खरगोन में रिकार्ड हुआ।शनिवार रात को तापमान में होगी गिरावट मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि वर्तमान में उत्तरी पाकिस्तान पर एक पश्चिमी विक्षोभ हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। इसके प्रभाव से पश्चिमी राजस्थान और उसके आसपास एक प्रेरित चक्रवात मौजूद है। एक द्रोणिका बांग्लादेश से तेलंगाना तक बनी है। एक अन्य द्रोणिका पश्चिमी बंगाल के गांगेय क्षेत्र से लेकर ओडिशा से होकर दक्षिणी छत्तीसगढ़ तक विस्तृत है।

# अमानक खाद, बीज और उर्वरक की कालाबाजारी करने वालों के लायसेंस निलम्बन ही काफी नहीं कड़ी कार्रवाई भी जरूरी :- संभागायुक्त श्री सिंह

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में कृषि विभाग के विभागीय योजनाओं की संभागीय समीक्षा बैठक संभागायुक्त कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में विभाग के संयुक्त संचालक श्री आलोक मीणा सहित इंदौर संभाग के सभी जिलों के जिला उप संचालक एवं परियोजना संचालक आत्मा मौजूद थे। बैठक में श्री सिंह ने इंदौर, धार, बड़वानी, आलीराजपुर, झाबुआ, खरगोन, खण्डवा और बुरहानपुर जिलों में विभाग द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की।

बैठक में श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश देते हुए कहा कि कृषि विभाग द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं से अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हो। विभाग द्वारा जो नवाचार किये जा रहे हैं उनकी जानकारी किसानों तक पहुँचे और उसका अच्छे से प्रचार-प्रसार हो। अपने कार्य के प्रति उदासीनता और लापरवाही करते हुए पाये जाने पर अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। खरगोन जिले के डीडीए द्वारा अच्छा प्रदर्शन नहीं करने पर संभागायुक्त श्री सिंह ने उन्हें शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं झाबुआ जिले के डीडीए द्वारा बेहतर कार्य करने पर उनकी सराहना की।

संभागायुक्त श्री सिंह ने बैठक में अधिकारियों को कहा कि अमानक खाद, बीज और अमानक उर्वरक विक्रय करने वाले विक्रेताओं के न केवल लायसेंस ही निलंबित नहीं करें बल्कि उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई भी की जाये। सभी जिला उप संचालक एवं परियोजना संचालक फील्ड में जाकर देखें कि अमानक खाद, बीज, उर्वरक विक्रय करने वालों से कितने किसानों का आर्थिक नुकसान हुआ है और उत्पादन में कितनी गिरावट आयी है।

किसानों का केवल आर्थिक नुकसान ही नहीं होता बल्कि उनका सीजन भी चला जाता है। सभी अधिकारी इस कार्य में किसानों के प्रति संवेदनशीलता के साथ, पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ करें। संभाग के सभी डीडीए अपने इंस्पेक्टरों के माध्यम से अमानक खाद, बीज और उर्वरक के नमूने एकत्रित करें और उनकी जाँच करने में गंभीरता दिखाये। बैठक में श्री सिंह ने खंड़वा जिले में चिया सीड्स उत्पादन की सराहना की। वहीं बुरहानपुर में मधुमक्खी पालन, कुसुम व सूरजमुखी की खेती की प्रगति को बढ़ावा देने की बात कही।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने बताया कि धार जिले के किसानों द्वारा जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए एवं रासायनिक उर्वरता पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से जीवामृत ट्यूब इकाई की स्थापना की गई है। यह जीवामृत ट्यूब इकाई प्राकृतिक खाद है।

## इंदौर शहर में इधर-उधर बेवजह खड़ी होने वाली यात्री बसों के विरुद्ध कार्रवाई के लिये चलेगी संयुक्त मुहिम

इंदौर। इंदौर शहर में यातायात सुधार के लिये लगातार मुहिम चलाई जा रही है। इस मुहिम को गति देकर और अधिक प्रभावी बनाने के लिये कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में शहर में यातायात को सुगम और सुव्यवस्थित बनाने के लिये अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बैठक में निर्णय लिया गया है कि शहर में बेवजह इधर-उधर खड़ी होने वाली यात्री बसों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी। चालानी कार्रवाई के साथ बसों की जप्ती भी होगी। इसके लिये जिला प्रशासन, यातायात पुलिस, नगर निगम और परिवहन विभाग के अमले द्वारा संयुक्त मुहिम चलाई जायेगी। साथ ही निर्णय लिया गया कि अब शहर में कही भी बगैर अनुमति के डिवायडर और स्पीड ब्रेकर नहीं बनेंगे। इसके लिये सड़क सुरक्षा समिति से अनुमति लेना होगी। कलेक्टर कार्यालय में सम्पन्न हुई इस बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, डीसीपी ट्राफिक श्री अरविंद तिवारी, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और समिति के सदस्यगण मौजूद थे। बैठक में शहर में यातायात को सुगम बनाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि शहर में बड़ी संख्या में यात्री बसें इधर-उधर खड़ी रहती हैं तथा निर्धारित स्टाप के अलावा कहीं से भी सवारी बैठा रही हैं। इस पर सख्ती से कार्रवाई की आवश्यकता है।

बैठक में निर्णय लिया गया कि इन बसों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाये। ऐसी बसें जो सरवटे तथा गंगवाल बस स्टेंड से चलती है, उनकी पार्किंग के लिये समुचित स्थान का चयन किया जाये और वहां उक्त बसें पार्क करने की व्यवस्था की जाये।

बैठक में देवास नाका पर बन रहे फ्लायओवर के मद्देनजर ट्रॉफिक प्लान पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिया गया। इस दौरान सुझाव दिया गया कि यहां यातायात को सुगम बनाने के लिये फ्लायओवर की डिजाइन में परिवर्तन कर लम्बाई बड़ाई जाये। नेशनल हाइवे 52, एमआर-10 जक्शन पर बन रहे फ्लायओवर के मद्देनजर ट्रॉफिक डायवर्सन प्लान को भी मंजूरी दी गई।

## अतिथि शिक्षकों की सेवाएं 30 अप्रैल तक बढ़ाई गई

इंदौर। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था में रिक्त पदों के विरूद्ध सत्र 2024-25 में अतिथि शिक्षकों की सेवाएं ली गई हैं। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस शैक्षणिक वर्ष में विद्यालय में व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने के लिये अतिथि शिक्षकों की सेवाएं 30 अप्रैल 2025 तक बढ़ा दी हैं। इस संबंध में संचालनालय ने समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, संकूल प्राचार्य और शाला प्रभारियों को निर्देश जारी किये गये हैं।

## फसल उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिये उपलब्ध हों सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं

इंदौर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा द्वारा रबी उपार्जन के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इंदौर संभाग की समीक्षा बैठक ली गई। इस बैठक में इंदौर से? संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री रिकेंश वैश्य, मध्यप्रदेश कॉर्पोरेशन वेयर हाउसिंग के श्री बी.एल. चौहान, मंडी बोर्ड के संयुक्त संचालक श्रीमती प्रवीण चौधरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए। बैठक में आयुक्त श्री शर्मा ने इंदौर संभाग के सभी अधिकारियों से रबी उपार्जन की समीक्षा बैठक में किसान पंजीयन, पंजीयन केन्द्रों की स्थापना, पंजीकृत किसानों का सत्यापन, गेंहू की गिरदावरी, उपार्जन केन्द्रों पर उपलब्ध सुविधाएं, रबी उपार्जन में गुणवत्ता नियंत्रण, भंडारण व्यवस्था, पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी, गेंहू रकबा एवं उत्पादन, चना रकबा एवं उत्पादन आदि विषयों पर चर्चा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे गेहूं की खरीदी के लिए पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनायें। किसानों को किसी तरह की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। सभी किसानों को निःशुल्क पंजीयन की सुविधा प्रत्येक ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालयों, सहकारी समितियों, सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र और एमपी किसान एप पर शत प्रतिशत उपलब्ध करायी जाये। पंजीकृत किसानों का सत्यापन एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार द्वारा किया जाएगा। सत्यापन उपरांत ही स्लॉट बुकिंग की जा सकेंगी। फसल उपार्जन केन्द्रों पर हाईस्पीड इंटरनेट कनेक्शन, कम्प्यूटर, प्रिंटर के अलावा टेबल, कुर्सी, पेयजल आदि मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो। जो किसान सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर रबी की फसलें समर्थन मूल्य पर विक्रय करना चाहते हैं वे अपना पंजीयन ऑनलाइन कियोस्क पर करेंगे।

# श्री मारु प्रजापति समाज का सामूहिक विवाह 1 मार्च को इंदौर में

इंदौर। देवी अहिल्या की नगरी इंदौर में विवाह समारोह दलाल बाग में आयोजित

श्री मारू प्रजापति समाज उत्कर्ष संगठन के सामूहिक विवाह समारोह की विशाल तैयारी की जा रही है, पश्चिम क्षेत्र के दलालबाग मैं होने वाले इस विशाल भव्य आयोजन में मध्य प्रदेश गुजरात राजस्थान सहित अन्य राज्यों से 5000 से ज्यादा समाज जनों का जमावड़ा कि विशाल आयोजन के लिए रहेगा,आज बड़ा गणपति को प्रथम निमंत्रण सोपा,मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को समाज जनों ने निमंत्रण दियाहै, जिसमें उनकी ओर से सहभागिता होगी, साथ ही प्रदेश एवं राजस्थान सरकार के मंत्री एवं समाजसेवी जनपद निधि बड़ी संख्या में सहभागिता करेंगे।

श्री मारू प्रजापत सामूहिक विवाह एवं उत्कर्ष संगठन की संयुक्त तत्वाधान होने वाले संयोजन के अध्यक्ष सत्यनारायण सीयोटा, संरक्षक प्रेम मंगरोला ने बताया कि 1 मार्च को 26 जोड़ों का सामूहिक किया जा रहा है। इस आयोजन के लिए विगत चार माह से तैयारी चल रही थी। इस आयोजन नवयुगल को गृहस्थी का सामान भी प्रदान किया जाएगा। बड़ी संख्या में समाज जन इसमें सहभागिता करेंगे मध्य प्रदेश के साथ अन्य राज्यों की प्रजापति समाज इस आयोजन की शोभा बढ़ाएंगे। वृद्ध आयोजन और व्यवस्था संचालन के लिए जल्द ही एक बड़ी बैठक का आयोजन भी किया जाना है, जिसमें सैकड़ो समाज जनों की सहभागिता रहेगी। आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने में राजस्थान अध्यक्ष भंवरलाल पोटर, पुनाराम पोटर, पुष्कर अध्यक्ष हीरालाल प्रजापति,निरंजन नागा, चेतन सालडीवाल, लोकेश सुवटा, दीपक नाराणीया, महावीर सीयोटा, योगेश गेंदर, उमेश मंगरोला, मदनमोहन मानधन्या, कपिल लाडनवा आदि समाज को जोड़ने और एक सूत्र में फिर होने के लिए अपने संकल्प को निभा रहे हैं, साथी समझ में व्याप्त बुराइयों को दूर करने का संकल्प भी समाज जनों को दिला रहे हैं, संयोजक प्रेम मंगरौला ने बताया कि समाज की 3000 परिवारों को सामूहिक विवाह की प्रेरणा का संकल्प दिलाया गया है वहीं श्री प्रजापति मारू समाज और शिक्षा के क्षेत्र में आगे ले जाने एवं शिक्षा से वंचित रहने वाले परिवारों के बच्चों के लिए भी विशेष व्यवस्थाएं की जाएगी उन्हें शिक्षा से जोड़ा जाएगा। इस सामूहिक विवाह में लोगों का जलसा ना होकर समाज की उन्नति के लिए अलग-अलग बिंदुओं पर प्रगति हेतु कार्य योजना भी बनाई जाएगी जिसके लिए घर परिवार संपर्क अभियान के तहत जागरूकता सूची तैयार की जा रही है।भव्य पंडाल, वैदिक ब्राह्मण के द्वारा मंत्रोच्चार- श्री मारू प्रजापति समाज उत्कर्ष संगठन के अध्यक्ष सत्यनारायण सीयोटा ने बताया कि ने बताया पश्चिम क्षेत्र विप रोडस्थित दलाल बाग के भव्य मैदान में इस दिव्य आओ जान की तैयारी के लिए 25000 स्क्वायर फीट जगह पर अलग-अलग व्यवस्थाएं की जा रहीहै। 25 से ज्यादा वेद पाठी ब्राह्मण बटुकों के द्वारा वैदिक मंत्र उपचार के साथ सामूहिक विवाह कराया जाएगा, विवाह की रस्म विधान के साथ कराए जाएंगे। सनातन संस्कृति को नई पीढ़ी से आत्मसात करने के लिए अलग से व्यवस्थाएं होगी। भव्य मंच पर सम्मान समारोह का आयोजन भी किया जाएगा, आयोजन करने का उद्देश्य यह है कि समाज में बढ़ रहे खर्चाली शादियों के दुष्प्रभाव एवं समाज जनों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उजैन, से प्रकाशित
संपादक मंडल
श्री संजय ज्ञानी — संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास — संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य — कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा — उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय — विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव — विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे — ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर — संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर — संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी — विशेष प्रतिनिधि

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

# शिव नवरात्रि के पंचम दिवस राजाधिराज ने श्री छबीना स्वरुप धारण कर भक्तों को दिये दर्शन

## 11 ब्राम्हणों द्वारा श्री महाकालेश्वर भगवान का अभिषेक एकादश-एकादशनी रुद्रपाठ से किया गया

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में शिवनवरात्रि का उत्सव मनाया जा रहा है। इस दौरान भगवान श्री महाकालेश्वर 25 फरवरी 2025 तक अलग-अलग नौ रूपों में श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे।

प्रतिदिन अनुसार श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण स्थित कोटितीर्थ के तट पर प्रातः 08 बजे से श्री गणेश पूजन व श्री कोटेश्वर महादेव भगवान का पूजन-अभिषेक-आरती के साथ शिव नवरात्रि महोत्सव के पंचम दिवस का प्रारम्भ हुआ।

श्री महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी घनश्याम शर्मा के आचार्यत्व में 11 ब्राम्हणों द्वारा श्री महाकालेश्वर भगवान जी का अभिषेक एकादश-एकादशनी रूद्रपाठ से किया गया । अपराह्न में 3 बजे सांध्य पंचामृत पूजन के पश्चात श्री महाकालेश्वर भगवान ने छबिना रूप धारण किया।

शिव नवरात्रि के पाचवे दिन संध्या पूजन के पश्चात भगवान श्री महाकालेश्वर ने श्री छबीना स्वरुप धारण कर भक्तों को दर्शन दिये । भगवान श्री महाकालेश्वर को पीले रंग के नवीन वस्त्र के साथ मेखला, दुप्पटा, मुकुट, मुंड-माला, छत्र आदि से सुसज्जित कर श्रृंगार किया गया। साथ ही भगवान श्री महाकालेश?वर को नागकुंडल एवं फलों की माला में दर्शन दिए 7 शुक्रवार 22 फरवरी 2025 को श्री महाकालेश्वर भगवान श्री होल्कर स?वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन देगें।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा इस वर्ष नौ दिवसीय नारदीय कीर्तन हेतु पुणे से राष्ट्रीय कीर्तनकार आयुर्वेदाचार्य डॉ.अजय अपामार्जने का कीर्तन प्रतिदिन सायं 05 से 06 बजे तक मन्दिर परिसर मे नवग्रह मन्दिर के पास संगमरमर के चबूतरे पर हो रहा है 7 हरिकीर्तन के पाचवे दिन डॉ. अपामर्जने ने संत

शिरोमणि सूरदास महाराज के भजन अवसर बार बार नहीं आवे ..... सुनाया एवं भजन के भावार्थ का वर्णन किया।

जिसमे उन्होंने बताया कि मनुष्य मात्र को अनमोल जीवन व्यर्थ नहीं गवाना चाहिए। यह जीवन बड़े पुण्य खर्च करने के बाद ही मिला है इसे भलाई, समाज सेवा, धर्म कार्य, देश कार्य आदि करने में व्यतीत करना चाहिए साथ ही भगवान कि भक्ति से ही जीवन सफल होगा, कथा के दौरान तबला पर संगत श्री श्रीधर व्यास ने की।

# डॉ शैलेंद्र कुमार भारल बने विक्रम विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय के डीन, विभाग में हर्ष की लहर

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के वाणिज्य अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष, डॉ शैलेंद्र कुमार भारल को वाणिज्य संकाय का डीन नियुक्त किया गया है। उनकी इस नई जिम्मेदारी का स्वागत विभाग के सभी शिक्षकों और साथियों ने उत्साह और खुशी के साथ किया।

इस अवसर पर वाणिज्य अध्ययनशाला के विभागीय शिक्षकों ने एक विशेष स्वागत समारोह आयोजित किया, जिसमें डॉ भारल को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। डॉ भारल के नेतृत्व में विभाग को नई दिशा मिलने की उम्मीद है, और शिक्षक समुदाय उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता से प्रेरित है। स्वागत समारोह में वाणिज्य संकाय के प्रमुख और वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ लक्ष्मण परवाल, रतलाम भी इस आयोजन में शामिल हुए थे, ने डॉ भारल के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, ÷डॉ भारल का कार्यक्षेत्र हमेशा उत्कृष्ट रहा है, और हम विश्वास रखते हैं कि वह इस नई जिम्मेदारी को भी पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे।इस कार्यक्रम में डॉ नेहा माथुर, डॉ आशीष मेहता, डॉ नागेश पाराशर, डॉ रुचिका खंडेलवाल, डॉ कायनात तंवर, डॉ अनुभा गुप्ता, और डॉ परिमिता सिंह समेत वाणिज्य संकाय के अन्य शिक्षक भी उपस्थित थे। सभी ने मिलकर डॉ भारल को बधाई दी और उनकी कार्यशैली के बारे में अपने विचार साझा किए।डॉ शैलेंद्र कुमार भारल ने इस अवसर पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा, ÷यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे विक्रम विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के वाणिज्य संकाय का नेतृत्व करने का अवसर मिला। मैं पूरी टीम के साथ मिलकर इस संकाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की पूरी कोशिश करूंगा।

## शिप्रा में मिल रहे नालों पर साधु संतों का आक्रोश जायज

उज्जैन। शिप्रा में मिल रहे नालों पर साधु संतों के आक्रोश को कांग्रेस ने जायज बताया है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने कहा कि 20 साल से भाजपा के शासन काल में करोड़ों रूपये शिप्रा में मिल रहे गंदे नालों को रोकने के नाम पर निकले, लेकिन किस नेता, अधिकारी की जेब में पैसा गया पता नहीं, क्योंकि आज तक शिप्रा में गंदे नाले मिलना बंद नहीं हुए।

मुकेश भाटी एवं रवि राय ने कहा कि भाजपा के शासन में करोड़ों रूपये खर्च करने के बाद भी शहर के सारे गंदे नाले शिप्रा में मिल रहे हैं। नेताओं से प्रभावित ठेकेदार शहर की स्थिति को प्रभावित करने में लगे हैं। शिप्रा शुध्दिकरण के नाम पर, जलकुंभी के नाम पर, सफाई के नाम पर पास होने वाला बजट आखिर जा कहां रहा है।

## योग प्रशिक्षकों एवं योग सहायकों को संविदा कर्मचारी के रूप में शामिल किया जाए

उज्जैन। आयुष योग प्रशिक्षक एवं योग सहायक संघ मध्यप्रदेश ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम पत्र लिखकर निवेदन किया है कि मध्यप्रदेश में भी छत्तीसगढ़ राज्य की भांति योग प्रशिक्षकों एवं योग सहायकों को संविदा कर्मचारी के रूप में शामिल किया जाए, जिससे प्रदेश भर के योग प्रशिक्षकों एवं योग सहायकों को आउटसोर्स ठेका प्रथा से छुटकारा मिल सके आपके इस उपकार से प्रदेश के योग प्रशिक्षकों एवं योग सहायकों को आयुष विभाग के कर्मचारी होने का सम्मान मिल सकेगा।

योग प्रशिक्षकों एवं योग सहायकों ने संविदा नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के उज्जैन स्थित कार्यालय पर ज्ञापन सौंपा। संगठन अध्यक्ष बी एल धारीवाल (प्रजापति) ने बताया कि राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के अंतर्गत आयुष औषधालयों को हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर तथा आयुष चिकित्सालयों को योग वैलनेस सेंटर के रूप में विकसित करने की योजना के तहत योग प्रशिक्षकों एवं योग सहायकों की देश-भर में नियुक्ति की गई है। इस योजना को लागू करते हुए मध्यप्रदेश में भी योग प्रशिक्षक एवं योग सहायकों की नियुक्ति की गई परंतु मध्यप्रदेश में इस नियुक्ति को आउटसोर्स, ठेका व्यवस्था से नियुक्त किया गया। जबकि इसी राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ राज्य में योग प्रशिक्षकों एवं योग सहायकों की संविदा कर्मचारी के रूप में सीधी भर्ती की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भारत ने योग के क्षेत्र में विश्वगुरु बनने का ऐतिहासिक सम्मान प्राप्त किया है, परंतु मध्यप्रदेश में योग के माध्यम से जन-जन के स्वास्थ्य को स्वस्थ रखने वाले हम योग प्रशिक्षकों एवं योग सहायकों को आउटसोर्स ठेका प्रथा के माध्यम से नियुक्त करके अनेकों यातनाएं भुगतने के लिए छोड़ दिया गया है, वहीं पड़ोस राज्य छत्तीसगढ़ में इस योजना में नियुक्त योग प्रशिक्षकों एवं योग सहायकों को सीधी भर्ती से संविदा कर्मचारी का दर्जा देकर उन्हें सम्मानित करते हुए आयुष विभाग के कर्मचारी, बनाकर उनके भविष्य को सुरक्षित करने का काम किया गया है। इस अवसर पर प्रदेश सचिव मनोज चौहान, गजराज सिंह कुंभकार, श्याम वर्मा, गोविंद सोनगरा, जितेंद्र परमार, पंकज सिंह देवड़ा, सत्यनारायण प्रजापति, संजय चौधरी, कुलदीप सिंह राठौड़ सहित जिले के योग प्रशिक्षक व योग सहायक उपस्थित थे। उपरोक्त जानकारी कुलदीप सिंह राठौड़ करोहन द्वारा दी गई।

# समानता और समावेशन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता

## विक्रम विश्वविद्यालय में विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर द्विस्तरीय कार्य्रकम आयोजित

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान एवं इंस्टिट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस द्वारा संयुक्त रूप से ÷विश्व सामाजिक न्याय दिवस÷ पर द्विस्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

द्विस्तरीय कार्यक्रम में विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलगुरु प्रो. डॉ. अर्पण भारद्वाज ने अपने उद्बोधन में कहा कि, संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा 26 नवंबर, 2007 को 62वें सत्र के दौरान स्थापित, विश्व सामाजिक न्याय दिवस 2009 में 63वें सत्र के बाद से हर साल 20 फरवरी को मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत इस समझ से हुई है कि, राष्ट्र में और उनके बीच शांति और सुरक्षा प्राप्त करने और बनाए रखने के लिए सामाजिक विकास और सामाजिक न्याय अपरिहार्य हैं। यह

दिन इस बात पर भी बल देता है कि शांति, सुरक्षा और सभी मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं के सम्मान के बिना सामाजिक न्याय प्राप्त नहीं किया जा सकता है। राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थिति की तंत्र कार्य (नमस्ते), पीएम-दक्ष योजना, आजीविका और उद्यम के लिए हाशिए स्तर व्यक्तियों के लिए सहायता (एसएमआईएलई) योजना, भिक्षावृत्ति मुक्त भारत, विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग डीईपीडब्ल्यूडी द्वारा 2023 से पर्पल फेस्ट (समावेश का त्योहार) का आयोजन 2024 में, इस कार्यक्रम में 10,000 से अधिक दिव्यांगजन और उनके अनुरक्षकों का स्वागत जैसे आयोजन एवं भारतीय सामाजिक न्याय योजनाएं अभिनंदनीय है । कुलगुरु प्रो भारद्वाज ने प्रो डॉ उमेश सिंह एवं प्रो डॉ धर्मेंद्र मेहता को इस कार्यक्रम के आयोजन की संकल्पना हेतु बधाई दी।

प्रो डॉ उमेश सिंह, सू.प्रो. संकाय अध्यक्ष, प्रो डॉ कामरान सुल्तान, संकाय अध्यक्ष प्रबंध संकाय एवं विक्रम विवि कार्य परिषद सदस्य, डॉ कमल बुनकर निदेशक आईसीएस, प्रो डॉ धर्मेंद्र मेहता, निदेशक, पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान, डॉ क्षमाशील मिश्रा, डॉ रामजी यादव ने अपने सारगर्भित वक्तव्यों में इस दिन के आयोजन से गरीबी उन्मूलन, पूर्ण रोजगार व सही काम को बढ़ावा देने, लैंगिक समानता और सभी के लिए सामाजिक कल्याण और न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों की जागरूकता प्रसार विस्तार में मजबूत करने में मदद मिलने की आवश्यकता प्रतिपादित की।

## स्वर-मराठी की संगीत संध्या में गूंजेंगे खय्याम के गीत

उज्जैन। स्वर-मराठी के तत्वावधान में आज 22 फरवरी शनिवार को संध्या 7.30 बजे कालिदास संकुल हॉल में खय्याम के गीतों पर आधारित संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया हैं। संस्था के अध्यक्ष और कार्यक्रम निर्देशक सूर्यकांत बरहानपुरकर ने बताया कि उज्जैन में खय्याम साहब के गीतों पर आधारित यह पहला कार्यक्रम हैं। कार्यक्रम के अतिथि डॉ गोविंद गंधे, निदेशक कालिदास अकादमी होंगे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि वरिष्ठ शिक्षाविद व पूर्व प्राचार्य दिवाकर नातू होंगे। कार्यक्रम के संयोजक चंद्रकांत नामजोशी ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन नितिन पोल और वर्षा कमलाकर करेंगे। इस अवसर पर इंदौर के संगीतज्ञ पंडित प्रकाश शुजालपुरकर और उज्जैन के प्रसिद्ध तबला वादक हेमंत चरेगांवकर को कला सम्मान प्रदान किया जाएगा।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com